साला°, das andere Mal: शाला°, eine Randbemerkung: दत्यादि:। — दान्नेय oder दान्नीपुत्र, die Scholien.

Str. 853, 93. Calc. Ausg. स्पोरायनस्तु। Die Scholien: स्पोरमयते स्पोरवादिवात्स्पोरयनः। तत्र। स्पुरस्यापत्यमित्याश्चायायनजि स्पोरा-पना ऽपि। — 94. Die Scholien: कार्णवा ऽपि। — 95. Die Scholien: चाणक्या ऽपि।

Str. 854, 96. Die Scholien: द्रमिलदेशे भवा द्रा॰। — Calc. Ausg. B. und E. पिसल: स्वामी, die Scholien wie wir. — 97. Die Scholien: म्रवालरे कीर्ण रेता प्रयास्ति म्रव॰। यत्स्मृति:।

ब्रह्मचार्यवकोणों स्पात्कामतस्तु स्त्रियं व्रजन्।

Str. 855, 99. Calc. Ausg. सिश्चि°। — 3. Calc. Ausg. und D. दितधुव:, die Scholien wie wir.

Str. 858, 10. Calc. Ausg. काएउपृष्ठा, D. काएउपृष्टा, B. काएउ-स्पृष्ठा, die Scholien wie wir. — 12. Calc. Ausg. B. und E. म्रश्राद्धा, die Scholien wie wir.

Str. 860, 17. 19. Calc. Ausg. म्रिंगिनमुर्ती und वीरेपितीविकः।

Str. 861, 20. Calc. Ausg. und D. तुद्धन्यनैः — समान्तिः, die

Scholien wie wir. — 21. Die Scholien: स्याद्धारो प्रनेकालवारः। तं

वरित स्याद्धारवारी। म्रिनेकालवार्याप। मर्लन्रेवतास्य म्रार्त्ताः। तैना

प्राप। — 22. प्रन्यं निराकारं वरित प्रन्यवारी। सुगता रेवतास्य सी
गतः। बौद्धो प्रि।

Str. 862, 23. Calc. Ausg. म्रतपादी, die Scholien wie wir. — Calc. Ausg. D. und E. पाग:, die Scholien wie wir. — 26. Schol. नास्ति पुण्यं पापमिति मतिरस्य ना